ई-न्यूज
24 न्यूज अपडेट
WebSite.: https://24newsupdate.in
उदयपुर, गुरूवार 30 जुलाई 2026
Mail Id :desk24newsupdate@gmail.com
वर्ष 3 अंक 103

देशभर में मानसून का कहर: 16 राज्यों में भारी बारिश, कई जगह रेड अलर्ट; केदारनाथ यात्रा तीसरे दिन भी बंद

24 न्यूज अपडेट

नई दिल्ली, 30 जुलाई। देश के अधिकांश हिस्सों में मानसून का असर तेज हो गया है। मध्य प्रदेश, गुजरात, उत्तर प्रदेश, बिहार सहित 16 राज्यों में भारी बारिश का दौर जारी है। मौसम विभाग ने मध्य महाराष्ट्र, मराठवाड़ा, विदर्भ और तेलंगाना के कई इलाकों में रेड अलर्ट जारी किया है। रेड अलर्ट का अर्थ है कि 24 घंटे के दौरान 204 मिलीमीटर से अधिक वर्षा होने की संभावना है। उत्तराखंड में लगातार हो रही बारिश और भूस्खलन ने जनजीवन को बुरी तरह प्रभावित किया है। रुद्रप्रयाग जिले के गौरीकुंड के पास हुए भूस्खलन के चलते केदारनाथ यात्रा लगातार तीसरे दिन भी स्थगित रही। कई स्थानों पर मलबा घरों में घुस गया, वाहन बह गए और सड़क संपर्क प्रभावित हुआ है। अलकनंदा और मंदाकिनी नदियां खतरे के निशान से ऊपर बह रही हैं, जबकि हरिद्वार में गंगा का जलस्तर भी चेतावनी स्तर के करीब पहुंच गया है। गंगाजल भरने गए एक

कांवड़िये को एसडीआरएफ ने सुरक्षित बचा लिया। असम में बाढ़ की स्थिति अब भी गंभीर बनी हुई है। राज्य में बाढ़ से मरने वालों की संख्या बढ़कर 78 हो गई है, जबकि तीन लाख से अधिक लोग जलभराव से प्रभावित हैं। बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों के लगभग 13 हजार परिवार पिछले 11 दिनों से बिजली आपूर्ति बहाल होने का इंतजार कर रहे हैं।

प्रमुख राज्यों का हाल

गुजरात: अगले दो दिनों तक भारी से अत्यधिक भारी बारिश की चेतावनी जारी की गई है। कई जिलों में प्रशासन हाई अलर्ट पर है। अनेक शहरों में शुक्रवार को स्कूल और कॉलेज बंद रखने के आदेश दिए गए हैं तथा राहत-बचाव दलों को तैनात किया गया है।

तेलंगाना: पांच जिलों में रेड अलर्ट जारी करते हुए तेज बारिश और तेज हवाओं की चेतावनी दी गई है। साइबराबाद प्रशासन ने कर्मचारियों को घर से काम करने की सलाह दी है।

अरुणाचल प्रदेश: 31 जुलाई के लिए फ्लैश फ्लड का अलर्ट जारी किया गया है। राज्य के नौ जिलों में अचानक बाढ़ की आशंका जताई गई है।

राजस्थान: चूरू में तेज बारिश के बाद बाजारों में करीब तीन फीट तक पानी भर गया, जबकि प्रतापगढ़ में भी कई सड़कों पर जलभराव से यातायात प्रभावित रहा।

उत्तर प्रदेश: बलिया में सरयू नदी के कटाव से दो मकान नदी में समा गए।

छत्तीसगढ़: सारंगढ़-बिलाईगढ़ जिले में चार दिन पहले बहे दंपती का शव और उनकी कार बरामद हुई, जबकि बीजापुर में पुल नहीं होने से लोग जान जोखिम में डालकर नदी पार करने को मजबूर हैं।

मौसम विभाग की सलाह

मौसम विभाग ने भारी बारिश वाले क्षेत्रों के लोगों से अनावश्यक यात्रा से बचने, नदी-नालों और भूस्खलन संभावित इलाकों से दूर रहने तथा स्थानीय प्रशासन की चेतावनियों का पालन करने की अपील की है। राहत एवं बचाव एजेंसियों को संवेदनशील क्षेत्रों में सतर्क रहने के निर्देश दिए गए हैं।

दिल्ली सरकार का फैसला: NEET-UG प्रदर्शनकारियों पर दर्ज मामले होंगे वापस, आपराधिक रिकॉर्ड वालों पर कार्रवाई जारी

24 न्यूज अपडेट

नई दिल्ली, 30 जुलाई। दिल्ली सरकार ने NEET-UG 2026 परीक्षा में कथित अनियमितताओं को लेकर हुए विरोध-प्रदर्शनों में शामिल लोगों को बड़ी राहत देते हुए उनके खिलाफ दर्ज मामलों में कानूनी कार्रवाई नहीं करने का निर्णय लिया है। सरकार ने स्पष्ट किया है कि जिन प्रदर्शनकारियों को गिरफ्तार या हिरासत में लिया गया है, उन्हें जल्द रिहा किया जाएगा। हालांकि, जिन लोगों का आपराधिक रिकॉर्ड है, उनके खिलाफ कानून के अनुसार कार्रवाई जारी रहेगी। दिल्ली पुलिस के अनुसार 29 जुलाई की शाम 6 बजे तक NEET-UG परीक्षा से जुड़े प्रदर्शनों को लेकर कुल 13 एफआईआर दर्ज की गई थीं। सरकार के आदेश के बाद इन मामलों को बंद माना जाएगा और भविष्य में इन प्रदर्शनकारियों के खिलाफ नई कार्रवाई नहीं की जाएगी। इससे पहले असम, बिहार और महाराष्ट्र सरकारें भी NEET-UG 2026 विरोध-प्रदर्शनों से जुड़े मामलों को वापस लेने की घोषणा कर चुकी हैं। दिल्ली के फैसले के बाद ऐसे राज्यों की संख्या चार हो गई है।

संसद मार्च में हुई थी झड़प

20 जुलाई को प्रदर्शनकारियों ने जंतर-मंतर से संसद तक मार्च निकाला था। प्रदर्शन के दौरान कई स्थानों पर पुलिस और प्रदर्शनकारियों के बीच झड़प हुई। बैरिकेड तोड़े गए, संसद की ओर बढ़ने की कोशिश की गई, जिसके बाद पुलिस ने आंसू गैस के गोले छोड़े। घटनाक्रम के दौरान पथराव भी हुआ था। इस पूरे घटनाक्रम में पुलिसकर्मियों और प्रदर्शनकारियों सहित 100 से अधिक लोग घायल हुए थे। दिल्ली पुलिस ने फेस रिकॉग्निशन सिस्टम के माध्यम से प्रदर्शनकारियों का सत्यापन करने का दावा किया है। पुलिस के मुताबिक 2,873 लोगों की पहचान और सत्यापन किया गया, जिनमें 989 लोगों के खिलाफ हत्या, डकैती, लूट, दुष्कर्म, आर्म्स एक्ट, अपहरण, मादक पदार्थ अधिनियम और अन्य गंभीर आपराधिक मामलों में पहले से प्रकरण दर्ज पाए गए। पुलिस का कहना है कि राजधानी में कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए सुरक्षा व्यवस्था कड़ी कर दी गई है और किसी भी अप्रिय घटना को रोकने के लिए हालात पर लगातार नजर रखी जा रही है।

नीली पहचान से नारंगी जर्सी तक: हॉकी वर्ल्ड कप से पहले रंग बदलने पर छिड़ी राष्ट्रीय बहस

24 न्यूज अपडेट

नई दिल्ली। हॉकी वर्ल्ड कप 2026 शुरू होने से पहले भारतीय हॉकी टीम की नई जर्सी चर्चा का बड़ा विषय बन गई है। दशकों तक नीली जर्सी में खेलने वाली भारतीय पुरुष और महिला टीम अब विश्व कप में नारंगी रंग की किट पहनकर मैदान में उतरेगी। इस बदलाव ने खेल जगत से लेकर राजनीतिक गलियारों तक बहस छेड़ दी है। नई जर्सी का अनावरण 27 जुलाई को किया गया था। इसके बाद भारतीय हॉकी के पूर्व कप्तान विरेन रास्किन्हा ने इस फैसले पर आपत्ति जताई, जबकि हॉकी इंडिया ने इसे खिलाड़ियों की राय से लिया गया निर्णय बताते हुए इसका बचाव किया। भारतीय टीम का लंबे समय तक प्रतिनिधित्व कर चुके विरेन रास्किन्हा ने कहा कि नीली जर्सी केवल एक रंग नहीं, बल्कि भारतीय हॉकी की पहचान रही है। उन्होंने सोशल मीडिया पर सवाल उठाते हुए कहा कि वर्षों से बनी इस पहचान को बदलने का औचित्य समझ से परे है। रास्किन्हा जूनियर वर्ल्ड कप 2001 विजेता टीम का हिस्सा रहे हैं। उन्होंने 2004 एथेंस ओलिंपिक, 2006 हॉकी विश्व कप और कई अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में भारत का प्रतिनिधित्व किया है।

हॉकी इंडिया का पक्ष- खिलाड़ियों की राय पर हुआ फैसला

हॉकी इंडिया के अध्यक्ष दिलीप कुमार टिर्की ने कहा कि नई जर्सी का रंग खिलाड़ियों, कप्तानों, कोचिंग स्टाफ और सहयोगी दल की सहमति से चुना गया है। उन्होंने स्पष्ट किया कि यदि विश्व कप के बाद खिलाड़ियों को यह बदलाव उपयुक्त नहीं लगता है तो भविष्य में जर्सी के रंग पर फिर से विचार किया जा सकता है। टिर्की के अनुसार, आधुनिक अंतरराष्ट्रीय हॉकी नीले सिंथेटिक टर्फ पर खेली जाती है। ऐसे में नीली जर्सी पहनने से तेज रफ्तार मुकाबलों के दौरान खिलाड़ियों की पहचान और गेंद पर नजर बनाए रखने में व्यावहारिक कठिनाई महसूस होती थी। इसी कारण अधिक स्पष्ट दिखने वाले रंग को प्राथमिकता दी गई।

राजनीति में भी पहुंचा मामला

नई जर्सी को लेकर राजनीतिक प्रतिक्रियाएं भी सामने आई हैं। कांग्रेस सांसद प्रियंका गांधी ने रंग परिवर्तन की आलोचना करते हुए कहा कि देश की पहचान उसके मूल्यों और परंपराओं से जुड़ी होती है, जिन्हें बदलने की आवश्यकता नहीं है। हॉकी इतिहासकारों के अनुसार, भारतीय टीम 1928 से अधिकांश अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में नीली या सफेद-नीली जर्सी में खेलती रही है। समय के साथ डिजाइन बदले, लेकिन नीला रंग भारतीय खेलों की पहचान बन गया। बाद में क्रिकेट सहित कई भारतीय टीमों ने भी अशोक चक्र के नीले रंग को अपनाया और 'मेन इन ब्लू' की पहचान स्थापित हुई।

बस चालक से करोड़ों का कारोबारी, घर से निकले नोटों के पहाड़ और 15 किलो सोना; बीरभूम में सबसे बड़ी छापेमारियों में एक

24 न्यूज अपडेट

कोलकाता/ बीरभूम। पश्चिम बंगाल के बीरभूम जिले में पुलिस की एक बड़ी कार्रवाई ने करोड़ों की अवैध संपत्ति के नेटवर्क पर सवाल खड़े कर दिए हैं। मोहम्मद बाजार क्षेत्र में बुधवार रात हुई छापेमारी में एक मकान से 28.5 करोड़ रुपये से अधिक नकदी और करीब 15 किलो सोना बरामद किया गया। बरामद सोने का अनुमानित मूल्य करीब 21.5 करोड़ रुपये बताया जा रहा है। पुलिस ने इस मामले में मिनार मंडल को गिरफ्तार किया है, जबकि उसका रिश्तेदार और पत्थर कारोबारी तुलु मंडल उर्फ मोहम्मद नजीबुद्दीन फरार है। शुरुआती पूछताछ में गिरफ्तार आरोपी ने बरामद नकदी और सोना तुलु मंडल का होने का दावा किया है। पुलिस अब पूरे वित्तीय नेटवर्क और धन के स्रोत की जांच कर रही है। गुप्त सूचना पर शुरू हुई छापेमारी के दौरान पहले लगभग 20 करोड़ रुपये नकद मिलने की जानकारी सामने आई थी। लेकिन पूरी रात चली गिनती के बाद बरामद राशि बढ़कर 28.5 करोड़ रुपये हो गई। नोटों की गिनती के दौरान पांच करेंसी काउंटिंग मशीनें खराब हो गईं। नकदी को 25 बैग में भरकर थाने पहुंचाया गया और बैंक में जमा कराने की प्रक्रिया शुरू की गई।

सोने के 24 बिस्किट भी मिले

छापे के दौरान पुलिस ने एक-एक किलो के 14 गोल्ड बार और 100-100 ग्राम के 10 गोल्ड बिस्किट बरामद किए। कुल 24 सोने के बिस्किटों का वजन करीब 15 किलो है, जिनकी कीमत लगभग 21.5 करोड़ रुपये आंकी गई है। जांच में सामने आया है कि गिरफ्तार मिनार मंडल पहले राज्य परिवहन विभाग में बस चालक था। बाद में उसने पत्थर कारोबार में कदम रखा। पुलिस अब यह पता लगाने का प्रयास कर रही है कि कम समय में इतनी बड़ी संपत्ति कैसे जुटाई गई और इसमें किन-किन लोगों की भूमिका रही। जांच एजेंसियों को आशंका है कि बरामद नकदी का संबंध पत्थर खदानों से वसूले जाने वाले सरकारी राजस्व से हो सकता है। आरोप है कि डिस्ट्रिक्ट कलेक्शन रेट (डीसीआर) के तहत वसूली गई राशि का एक हिस्सा सरकारी खजाने तक नहीं पहुंचा। इसी पहलू को लेकर वित्तीय लेन-देन और दस्तावेजों की जांच की जा रही है।फरार तुलु मंडल पहले भी केंद्रीय जांच एजेंसियों के रडार पर रह चुका है। वर्ष 2022 में मवेशी तस्करी से जुड़े मामले में उसके ठिकानों पर छापेमारी हुई थी और बाद में प्रवर्तन एजेंसी ने भी उससे पूछताछ की थी। हालांकि इन मामलों में अंतिम न्यायिक निर्णय अभी लंबित है।

100 करोड़ की शादी फिर चर्चा में

इस कार्रवाई के बाद तुलु मंडल एक बार फिर सुर्खियों में है। वर्ष 2024 में उसकी बेटी की भव्य शादी चर्चा का विषय बनी थी, जिसमें कथित तौर पर करीब 100 करोड़ रुपये खर्च किए गए थे। समारोह में बंगाली फिल्म जगत के साथ बॉलीवुड कलाकार अरबाज खान और जरीन खान भी शामिल हुए थे। इतनी बड़ी बरामदगी के बाद पश्चिम बंगाल की राजनीति भी गर्मा गई है। सत्तारूढ़ दल के विभिन्न नेताओं ने एक-दूसरे पर आरोपी से संबंध होने के आरोप लगाए हैं। वहीं विपक्ष ने मामले की निष्पक्ष और व्यापक जांच की मांग करते हुए कहा है कि बरामद संपत्ति के पीछे पूरे नेटवर्क का खुलासा होना चाहिए।

अजिंक्य रहाणे ने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट को कहा अलविदा

24 न्यूज अपडेट

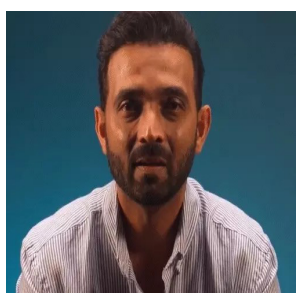

नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेट टीम के अनुभवी बल्लेबाज अजिंक्य रहाणे ने गुरुवार को अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास की घोषणा कर दी। 38 वर्षीय रहाणे ने सोशल मीडिया पर वीडियो जारी कर कहा कि अब आगे बढ़ने का यही सही समय है। रहाणे ने भारत के लिए 85 टेस्ट, 90 वनडे और 20 टी-20 अंतरराष्ट्रीय मुकाबले खेले। उनके करियर का सबसे यादगार पल 2020-21 के ऑस्ट्रेलिया दौरे पर रहा, जब उन्होंने कप्तान के रूप में भारत को ऐतिहासिक टेस्ट श्रृंखला जीत दिलाई। रहाणे के संन्यास पर विराट कोहली ने उन्हें शानदार करियर की बधाई देते हुए टेस्ट क्रिकेट में अपना पसंदीदा बल्लेबाजी साझेदार बताया।

संपादकीय : संवाद की सार्थकता

राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली के जंतर मंतर समेत देश भर में विद्यार्थियों के सड़क पर आवाज बुलंद करने के बाद हरकत में आई सरकार की ओर से प्रवेश एवं प्रतियोगी परीक्षा प्रणाली में सुधार के लिए लाए गए 'लोक परीक्षा (अनुचित साधन निवारण) संशोधन विधेयक, 2026 को बुधवार को लोकसभा की मंजूरी मिल गई। उम्मीद की जा रही थी कि विद्यार्थियों के आंदोलन से निकले इस विधेयक की अहमियत के मद्देनजर संसद में इस पर व्यापक और सार्थक चर्च होगी, इसकी कमियों पर विचार होगा और नए सुझाव सामने आएंगे, जिनके आधार पर एक सशक्त कानून बनाया जाएगा। मगर, इसे विडंबना ही कहा जाएगा कि चर्चा का यह दौर भी हंगामे की भेंट चढ़ गया, जिसने कई सवाल खड़े कर दिए हैं। विपक्ष का आरोप है कि उसे बोलने नहीं दिया गया, वहीं सत्तापक्ष का कहना है कि विपक्षी नेताओं ने विधेयक पर चर्चा को केंद्र में नहीं रखा। विपक्ष सड़क से लेकर संसद तक विद्यार्थियों पर प्रदर्शन के दौरान बल प्रयोग का मुद्दा लगातार उठाता रहा है। अब सर्वोच्च न्यायालय ने भी संकेत दिया है कि वह पुलिस की सख्ती से जुड़े मामले की जांच के लिए विशेष दल का गठन कर सकता है। काकरोच जनता पार्टी के आह्वान पर शुरू हुआ विद्यार्थियों का आंदोलन तत्कालीन केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे और सरकार की ओर से परीक्षा प्रणाली में सुधार के आश्वासन के बाद ही समाप्त हुआ था । लोक परीक्षा (अनुचित साधन निवारण) संशोधन विधेयक इन्हीं सुधारों की एक महत्त्वपूर्ण कड़ी है। माना जा रहा था कि इस विधेयक में अगर कोई कमी रह गई होगी, तो संसद में व्यापक चर्चा के दौरान पेश किए जाने वाले सुझावों के माध्यम से इसे दूर किया जा सकता है। मगर चर्चा के दौरान लोकसभा में जिस तरह का माहौल देखा गया, उससे यह विश्वास करना मुश्किल है कि शिक्षा प्रणाली सुधार के लिए वास्तव में सख्त एवं सक्षम कानून बनाने के गंभीर प्रयास हुए हों। विपक्ष की ओर से सवाल उठाना स्वाभाविक है, लेकिन यह सत्तापक्ष का दायित्व है कि वह आशंकाओं का निवारण करे और चर्चा को सही दिशा में ले जाए। अगर संसद में बिना सार्थक चर्चा के ही किसी विधेयक को पारित कर दिया जाए, तो जाहिर है कि उस पर भविष्य में भी सवाल उठते रहेंगे। दूसरी ओर विद्यार्थियों के प्रदर्शन के दौरान उन पर बल प्रयोग का मुद्दा भी अहम है। यह प्रश्न शुरू से उठता रहा है कि क्या सुरक्षाबलों के लिए यही एक अंतिम विकल्प था ? अगर विद्यार्थियों के संसद मार्च से पहले ही सरकार ने संवाद के जरिए उन्हें भरोसे में लेने की कोशिश की होती, तो संभवतः इस स्थिति को टाला जा सकता था। सवाल प्रदर्शन के दौरान पैलेट गन और एके-47 राइफल से गोलियां चलाने को लेकर भी उठा है। खबरों के मुताबिक, दिल्ली पुलिस के एक अधिकारी के कहने पर त्वरित कार्रवाई बल ने पैलेट गन समेत कई कम घातक हथियारों का इस्तेमाल किया था। यही वजह है कि सर्वोच्च न्यायालय ने इस पूरे घटनाक्रम की निष्पक्ष जांच पर जोर देते हुए विशेष दल गठित करने का संकेत दिया है। साथ ही अदालत ने अठारह वर्ष से कम आयु के उन लोगों को रिहा करने का निर्देश दिया है, जिनका कोई आपराधिक इतिहास नहीं है। बहरहाल, सत्तापक्ष हो या विपक्ष, दोनों की कोशिश यही होनी चाहिए कि देश की शिक्षा प्रणाली में व्यापक सुधार हो, ताकि विद्यार्थियों को भविष्य में किसी परेशानी का सामना न करना पड़े।

मिलावट का संजाल

देश में खाद्य पदार्थों में मिलावट एक गंभीर समस्या बन गई है। इससे न केवल शुद्ध एवं गुणवत्तापूर्ण वस्तुओं का संकट पैदा हो गया है, बल्कि इसकी वजह से लोग कई तरह की स्वास्थ्य संबंधी जटिलताओं से भी जूझ रहे हैं। केंद्र और राज्य सरकारों के तमाम दावों के बावजूद मुनाफा कमाने के इस अवैध कारोबार पर अंकुश नहीं लग पा रहा है। भारतीय खाद्य संरक्षण एवं मानक प्राधिकरण के ताजा आंकड़ों से साफ है कि मिलावटी वस्तुओं का बाजार बेरोक-टोक फल-फूल रहा है। वर्ष 2025 2026 में देश भर में पांच लाख से अधिक खाद्य प्रतिष्ठानों के निरीक्षण के बाद दो लाख से ज्यादा नमूने लिए गए थे। इनमें से चालीस हजार नमूने गैर-मानक पाए गए, जिनमें सबसे ज्यादा बीस हजार नमूने उत्तर प्रदेश के थे। हालांकि देश के अन्य राज्यों में भी स्थिति अच्छी नहीं है। यह अक्सर देखा गया है कि गुणवत्ता जांचने के लिए जब भी खाद्य पदार्थों के नमूने लिए जाते हैं, तो उनमें से ज्यादातर में मिलावट पाई जाती है। आखिर क्या वजह है कि कानूनी प्रावधानों के बावजूद खाद्य पदार्थों में मिलावट के अवैध धंधे का जाल फैलता जा रहा है। सवाल है कि जिस सरकारी महकमे पर खाद्य पदार्थों की नियमित जांच और दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई को अमल में लाने की जिम्मेदारी है, क्या वह अपना दायित्व ठीक से निभा रहा है या नहीं? जो मामले दर्ज होते हैं, उनमें भी दोषियों को सजा मिलने की दर अगर बेहद कम रहती है, तो यह किसकी लापरवाही है। जाहिर है कि संबंधित महकमे के कर्मियों की साठगांठ की वजह से ही अक्सर मिलावट करने वाले बच निकलते हैं। यही कारण है कि इस अवैध कारोबार में संलिप्त लोगों को कानून का कोई खौफ नहीं रह गया है। ऐसे में सरकार को चाहिए कि खाद्य पदार्थों की निगरानी और जांच का जिम्मा संभालने वाले अधिकारियों की जवाबदेही तय की जाए और मिलावटखोरों को संरक्षण देने वालों के खिलाफ भी कड़ी कार्रवाई अमल में लाई जाए। इसके अलावा आम लोगों को भी मिलावटी पदार्थों के प्रति व्यापक स्तर पर जागरूक किए जाने की जरूरत है।

घर बैठे नर्सिंग सुविधां, मेडिकेयर और एडवांस लाइफ सपोर्ट एम्बुलेंस के नाम पर हो रहा जनता से धोखा!!

24 न्यूज अपडेट

उदयपुर। अगर आपको कभी इलाज के लिए अहमदाबाद जाना हो और अचानक एम्बुलेंस की जरूरत पड़ जाए तो आप और आपका मरीज हाई रिस्क पर है। आपको लग रहा है कि एम्बुलेंस उपलब्ध कराने वाले उदयपुर की मेडिकेयर कंपनियां अहमदाबाद पहुंचने तक मरीज को महफूज रखेगी और उसकी जान बचाने के हर संभव प्रयास किए जाएंगे तो ऐसा सोचना आपकी भयंकर भूल है। क्योंकि सर्व मेडिकल सुविधा युक्त एम्बुलेंस के नाम पर आपको सरेआम ठगा जा रहा है। क्या प्राइवेट एंबुलेंस बुलाने से पहले आप ये चेक करते हैं कि क्वालीफाईड व अनुभवी डॉक्टर है या नहीं?? प्रशिक्षित नर्सिंग स्टाफ साथ है या नहीं?? यदि नहीं तो आज से ही यह सवाल पूछना शुरू कर दीजिए। नहीं पूछेंगे तो आपके भी वैसे ही लेने के देने पड़ जाएंगे जैसे कई लोगों के पड़ चुके हैं। इसी प्रकार से कई लोगों को घर पर ही नर्सिंग सुविधाओं, केयर टेकर आदि की जरूरत पड़ती है। कई बार बुजुर्गो के लिए ऐसी सेवाएं चाहिए होती हैं तो कई बार गंभीर मरीजों के उपचार के दौरान जरूरत पड़ती है। लेकिन यहां भी जमकर धोखा हो रहा है। इस प्रकार की सेवाएं उपलब्ध कराने वाली कंपनियां अक्सर अप्रशिक्षित, नाबालिग बच्चों तथा नर्सिंग स्टूडेंट्स आदि तक को भेज देती है। क्या इन पर भरोसा करना मरीज की सेहत के लिए ठीक है??? यह सब सवाल अब और गंभीरता से सामने आए हैं पत्रकार जयवंत भैरविया की ओर से जिला कलेक्टर को लगाई गई आरटीआई में। कलेक्टर ने सीएमएचओ को सूचना देने को कहा तो वहां से सूचना समय पर नहीं दी गई। जब मामला राज्य आयोग में गया तब सूचना दी गई जो चौंकाने वाली है। मेडिकेयर संस्था की एडवांस लाइफ सपोर्ट (ALS) एम्बुलेंस और मेडिकल सेवाओं को लेकर लगाए गए आरोपों पर सूचना के अधिकार (RTI) के तहत बड़ा खुलासा हुआ। जानकारी के जवाब में मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी (CMHO) कार्यालय ने स्पष्ट किया है कि एम्बुलेंस संचालन, नर्सिंग स्टूडेंट्स से इलाज कराने या अन्य आरोपों से जुड़ी किसी भी प्रकार की स्वीकृति उनका कार्यालय जारी नहीं करता है। RTI आवेदन में मेडिकेयर पर एडवांस लाइफ सपोर्ट एम्बुलेंस के नाम पर संचालन, नाबालिग व अप्रशिक्षित कार्मिकों से सेवाएं दिलाने तथा नर्सिंग स्टूडेंट्स से मरीजों का इलाज कराने जैसे आरोपों के संबंध में स्वीकृति और जांच रिपोर्ट की जानकारी मांगी गई थी। CMHO कार्यालय ने जवाब में कहा कि इस कार्यालय द्वारा ऐसी कोई स्वीकृति जारी नहीं की जाती। एम्बुलेंस संबंधी आवेदन पहले जिला परिवहन अधिकारी (RTO) को दिए जाते हैं। इसके बाद एम्बुलेंस में जीवन रक्षक उपकरणों की जांच कर केवल अनापत्ति प्रमाण पत्र (NOC) जारी किया जाता है, ताकि आरटीओ में पंजीकरण की प्रक्रिया पूरी हो सके। हालांकि, RTI के जवाब में मेडिकेयर के खिलाफ लगाए गए आरोपों की पुष्टि या खंडन नहीं किया गया है। केवल यह स्पष्ट किया गया है कि संबंधित स्वीकृतियां CMHO कार्यालय के अधिकार क्षेत्र में नहीं आती हैं। सीएमएचओ ने यह तक नहीं बताना उचित नहीं समझा कि वे किन'किन जीवन रक्षक उपकरणों की जांच करते हैं। इस आरटीआई से ये साफ हो गया है कि सरकारी विभाग इस ओर बिल्कुल भी गंभीर नहीं है। होना तो यह चाहिए था कि खुद कलेक्टर को यह सभी तथ्य मंगवा कर उस पर निर्णय लेना था मगर उन्होंने टेंशन ट्रांसफर कर दी और सीएमएचओ साहब ऐसे हैं कि उन्होंने टेंशन ली ही नहीं,,,अब पूरी टेंशन जनता के माथे आ गई है। अब अटेंशन की बात ये है कि हम और आप खतरे की तलवार के उपर पैर रख कर चल रहे हैं। सरकारी सिस्टम आंकड़ों का खेल खेलकर हर बार बच जाएगा, मगर जनता को अफसरों व नेताओं से जवाब चाहिए कि आखिर उनके स्वास्थ्य से खिलवाड़ क्यों हो रहा है।

दूधतलाई में अवैध एटीवी का कहर: गुरु पूर्णिमा से लौट रहे दंपत्ति व बेटी को मारी टक्कर, युवक का घुटना फूटा

24 न्यूज अपडेट

उदयपुर। शहर के प्रमुख पर्यटन स्थल दूधतलाई में अवैध रूप से संचालित एटीवी (ऑल टेरेन व्हीकल) बाइकों का खतरनाक संचालन एक बार फिर हादसे की वजह बना। गुरु पूर्णिमा पर गुरुदेव के दर्शन कर घर लौट रहे डबोक निवासी दंपत्ति और उनकी बेटी को तेज रफ्तार एटीवी ने जोरदार टक्कर मार दी। हादसे में बाइक चला रहे युवक का घुटना बुरी तरह फट गया, जबकि उसकी पत्नी और बेटी भी घायल हो गईं। तीनों को स्थानीय लोगों की मदद से महाराणा भूपाल (एमबी) चिकित्सालय पहुंचाया गया, जहां उनका उपचार जारी है। जानकारी के अनुसार डबोक निवासी परिवार गुरु पूर्णिमा के अवसर पर गुरुदेव का आशीर्वाद लेकर मोटरसाइकिल से घर लौट रहा था। जैसे ही वे दूधतलाई क्षेत्र में पहुंचे, वहां पर्यटकों को किराये पर घुमाने के लिए अवैध रूप से संचालित की जा रही एक एटीवी बाइक तेज गति से आई और उनकी बाइक को सीधी टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि दंपत्ति और उनकी बेटी कई फीट दूर सड़क पर जा गिरे। हादसे के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई और राहगीरों ने तुरंत घायलों को अस्पताल पहुंचाया। स्थानीय लोगों का कहना है कि दूधतलाई में लंबे समय से बिना पर्याप्त नियंत्रण और सुरक्षा इंतजामों के एटीवी बाइकों का व्यावसायिक संचालन किया जा रहा है। इससे पहले भी इन वाहनों को लेकर शिकायतें और हादसे सामने आ चुके हैं। प्रशासन और पुलिस ने समय-समय पर कार्रवाई जरूर की, लेकिन अवैध संचालन पर स्थायी रोक नहीं लग सकी। यही कारण है कि नियमों की अनदेखी कर चल रही एटीवी बाइकों से पर्यटकों और स्थानीय लोगों की जान लगातार खतरे में बनी हुई है। घटना के बाद क्षेत्र के लोगों ने अवैध एटीवी संचालन पर तत्काल प्रभाव से सख्त कार्रवाई करने, जिम्मेदार संचालकों के खिलाफ मामला दर्ज करने और दूधतलाई क्षेत्र में सुरक्षा व्यवस्था मजबूत करने की मांग की है। उनका कहना है कि यदि समय रहते प्रभावी कार्रवाई नहीं हुई तो भविष्य में इससे भी बड़े हादसे हो सकते हैं।

आस्था की राह पर 900 किमी पैदल सफर

24 न्यूज अपडेट

उदयपुर। जब श्रद्धा संकल्प बन जाए तो दूरी मायने नहीं रखती। उदयपुर के साईं भक्त मोहित आचार्य पिछले कई वर्षों से प्रतिवर्ष करीब 900 किलोमीटर की पैदल यात्रा कर शिर्डी स्थित श्री साईं बाबा के दरबार में पहुंच रहे हैं। करीब 20 से 25 दिन तक चलने वाली यह यात्रा उनके लिए केवल धार्मिक परंपरा नहीं, बल्कि विश्वास, धैर्य और आत्मिक संतोष का मार्ग है। यात्रा के दौरान उन्हें भीषण गर्मी, मूसलाधार बारिश, ऊबड़-खाबड़ रास्तों और लंबी थकान जैसी कई चुनौतियों का सामना करना पड़ता है। इसके बावजूद उनका संकल्प कभी कमजोर नहीं पड़ता। मोहित आचार्य कहते हैं कि यह यात्रा पैरों से कम और विश्वास से अधिक पूरी होती है। साईं बाबा के प्रति अटूट श्रद्धा ही उन्हें हर कठिनाई से आगे बढ़ने की शक्ति देती है। रास्ते में वे मंदिरों, धर्मशालाओं और सार्वजनिक स्थानों पर रात्रि विश्राम करते हैं। कई जगह स्थानीय लोग भोजन, पानी और ठहरने की व्यवस्था कर सेवा और सद्भाव का परिचय देते हैं। उनका कहना है कि हर वर्ष यह पदयात्रा उन्हें नए अनुभवों के साथ धैर्य, आत्मविश्वास और सकारात्मक सोच का संदेश देती है। मोहित आचार्य की यह अनूठी पदयात्रा अब केवल उनकी व्यक्तिगत आस्था का विषय नहीं रही, बल्कि अनेक श्रद्धालुओं के लिए प्रेरणा बन चुकी है। उनका मानना है कि सच्चे विश्वास और दृढ़ संकल्प के साथ कोई भी मंजिल दूर नहीं होती।

शहीद लेफ्टिनेंट अभिनव नागोरी की जयंती पर उमड़ा श्रद्धा का सैलाब, विद्यार्थियों को बांटी अभ्यास पुस्तिका

24 न्यूज अपडेट

उदयपुर। शहीद लेफ्टिनेंट अभिनव नागोरी की 37वीं जयंती गुरुवार को भुवाणा स्थित शहीद लेफ्टिनेंट अभिनव नागोरी राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय में देशभक्ति और श्रद्धा के वातावरण में मनाई गई। कार्यक्रम की शुरुआत वीर माता सुशीला नागोरी की उपस्थिति में दीप प्रज्वलन और पुष्पांजलि के साथ हुई। इस दौरान शहीद परिवार की ओर से विद्यार्थियों को 'अभिनव अभ्यास पुस्तिका' वितरित कर शिक्षा के प्रति प्रेरित किया गया। विद्यालय के प्रधानाचार्य मनीष सोनी ने कहा कि शहीद अभिनव नागोरी के आदर्श विद्यार्थियों में देशभक्ति, अनुशासन और राष्ट्रसेवा की भावना विकसित करने की प्रेरणा देते हैं। शहीद के पिता एवं पूर्व शिक्षा उपनिदेशक धर्मचंद नागोरी ने विद्यार्थियों से शिक्षा के क्षेत्र में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर देश और समाज का नाम रोशन करने का आह्वान किया और इसे शहीद के प्रति सच्ची श्रद्धांजलि बताया। कार्यक्रम में वक्ताओं ने शहीद के साहस, समर्पण और सर्वोच्च बलिदान को याद करते हुए उनके जीवन से प्रेरणा लेने का संदेश दिया। विद्यालय परिसर जय हिद और भारत माता की जय के नारों से गूंज उठा। अंत में व्याख्याता राकेश आमेटा ने आभार व्यक्त किया और सभी ने शहीद लेफ्टिनेंट अभिनव नागोरी को श्रद्धापूर्वक नमन किया।

महाराणा प्रताप सेना ने अज्ञात व्यक्ति का पूरे रीति-रिवाज से किया अंतिम संस्कार

24 न्यूज अपडेट

उदयपुर। मानव सेवा की मिसाल पेश करते हुए महाराणा प्रताप सेना ने एक अज्ञात व्यक्ति के पार्थिव शरीर का पूरे धार्मिक रीति-रिवाज के साथ अंतिम संस्कार कराया। हिरण मगरी थाना पुलिस की ओर से कानूनी प्रक्रिया पूरी होने के बाद शव संस्था को सौंपा गया, जिसके बाद अशोक नगर मोक्षधाम में सम्मानपूर्वक अंतिम विदाई दी गई। जानकारी के अनुसार करीब 55 वर्षीय अज्ञात पुरुष का शव मिलने पर उसे महाराणा भूपाल चिकित्सालय (एमबी हॉस्पिटल) की मोर्चरी में रखा गया था। पुलिस ने मृतक की पहचान और उसके परिजनों का पता लगाने के लिए लगातार प्रयास किए, लेकिन काफी कोशिशों के बावजूद कोई भी परिजन या पहचान सामने नहीं आई। सभी वैधानिक औपचारिकताएं पूरी होने के बाद हिरण मगरी थाना पुलिस ने शव महाराणा प्रताप सेना को सुपुर्द किया। संस्था के पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं ने सामाजिक दायित्व निभाते हुए मृतक का पूरे सम्मान और धार्मिक परंपराओं के अनुरूप अंतिम संस्कार कराया। इस सेवा कार्य में संस्थापक मोहन सिंह राठौड़, चेनाराम भोई, लोकेश भोई और विकास भारती सहित महाराणा प्रताप सेना के कार्यकर्ताओं ने सहभागिता निभाई। संस्था ने कहा कि मानव सेवा ही सबसे बड़ा धर्म है और भविष्य में भी ऐसे सेवा कार्य निरंतर जारी रहेंगे।

कैलाश वैरागी को ज्योतिष शास्त्र में पीएचडी की उपाधि

24 न्यूज अपडेट

उदयपुर। भूपाल नोबल्स विश्वविद्यालय ने कैलाश वैरागी को ज्योतिष शास्त्र में पीएचडी की उपाधि प्रदान की है। उन्होंने अपना शोध कार्य विश्वविद्यालय के हिन्दी विभाग के सहायक आचार्य डॉ. हुसैनी बोहरा के निर्देशन में पूरा किया। डॉ. कैलाश वैरागी पिछले 10 वर्षों से ज्योतिष शास्त्र के क्षेत्र में सक्रिय हैं और राष्ट्रीय तथा अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपनी सेवाएं दे रहे हैं। उनकी इस उपलब्धि पर शिक्षाविदों, सहयोगियों और शुभचिंतकों ने उन्हें बधाई एवं शुभकामनाएं दीं।

पंचवटी में ज्वैलर के यहां 1 करोड़ की चोरी, सीसीटीवी में दिखे 4 बदमाश

24 न्यूज अपडेट

उदयपुर। शहर के पॉश इलाके पंचवटी में स्थित एक प्रतिष्ठित ज्वैलरी शोरूम में गुरुवार तड़के हुई बड़ी चोरी की वारदात ने पुलिस की सुरक्षा व्यवस्था पर सवाल खड़े कर दिए। बेखौफ बदमाश करोड़ों रुपए के आभूषण और नकदी समेटकर फरार हो गए। पूरी वारदात दुकान में लगे सीसीटीवी कैमरों में कैद हो गई है, जिसमें चार संदिग्ध बदमाश नजर आए हैं। जानकारी के अनुसार पंचवटी स्थित नवीन ज्वैलर्स के संचालक नवीन स्वरूपरिया के प्रतिष्ठान को बदमाशों ने निशाना बनाया। प्रारंभिक आकलन में चोरी की रकम करीब 90 लाख से एक करोड़ रुपए के बीच बताई जा रही है। ट्ंटी फोर अपडेट को मिली जानकारी के अनुसार बदमाश दुकान से करीब 22 लाख रुपए के हीरे के आभूषण, 350 से 400 ग्राम सोने के जेवर, 10 से 12 किलोग्राम चांदी, तथा करीब 9.50 लाख रुपए नकद लेकर फरार हो गए। घटना रात 12.50 के आसपास के समय की बताई जा रही है। इसका पता सुबह दुकान खुलने पर चला, जिसके बाद इलाके में हड़कंप मच गया। ट्ंटी फोर अपडेट को मिली जानकारी के अनुसार घटना की सूचना मिलते ही हाथीपोल थाना प्रभारी राजू देवी राज पुलिस जाब्ते के साथ मौके पर पहुंचीं। एफएसएल और अन्य तकनीकी टीमों को खबर दी गई, घटनास्थल से साक्ष्य जुटाए जा रहे हैं। पुलिस ने दुकान के सीसीटीवी फुटेज खंगाले, जिनमें चार संदिग्ध बदमाश वारदात के दौरान आते-जाते दिखाई दिए हैं। उनके चहेरे साफ दिख रहे हैं। पुलिस ने शहर और आसपास के क्षेत्रों में नाकाबंदी कर आरोपियों की तलाश शुरू कर दी है। सीसीटीवी फुटेज और अन्य तकनीकी साक्ष्यों के आधार पर बदमाशों की पहचान के प्रयास किए जा रहे हैं। अधिकारियों का कहना है कि जल्द ही आरोपियों को गिरफ्तार कर चोरी का खुलासा किया जाएगा। एसपी डॉक्टर अमृता दुहन व एडिशनल एसपी उमेश ओझा, वृत्ताधिकारी राजेश यादव के निर्देशन में थानाधिकारी राजु देवी राज की ओर से पुलिस दल के साथ जांच की कार्रवाई की जा रही है।

बिजली ट्रांसफार्मर पर चोरों का धावा: ग्रामीणों की सतर्कता से दूसरी वारदात नाकाम, दो बाइक पर आए 6 बदमाश फरार

24 न्यूज अपडेट

उदयपुर। डबोक थाना क्षेत्र के दरौली गांव में बुधवार देर रात बिजली ट्रांसफार्मर (डीपी) से तेल चोरी करने पहुंचे छह बदमाश ग्रामीणों की सतर्कता के चलते दूसरी वारदात को अंजाम नहीं दे सके। दो मोटरसाइकिलों पर आए बदमाश पहले एक डीपी से तेल निकालने में सफल रहे, लेकिन दूसरे ट्रांसफार्मर से तेल चोरी का प्रयास करते समय लोगों की आहट मिलते ही मौके से फरार हो गए। घटना का वीडियो भी सामने आया है, जिसके आधार पर पुलिस आरोपियों की तलाश में जुटी है। जानकारी के अनुसार रात करीब एक बजे बदमाशों ने गांव में बिजली आपूर्ति बाधित कर चालू ट्रांसफार्मर को निशाना बनाया। पहले एक डीपी से तेल निकालने के बाद वे दूसरे ट्रांसफार्मर पर भी चोरी की तैयारी कर रहे थे। इसी दौरान लंबे समय तक बिजली नहीं आने पर ग्रामीण ट्रांसफार्मर की ओर पहुंचे। लोगों को अपनी ओर आते देख बदमाशों में अफरा-तफरी मच गई और वे दो बाइकों पर सवार होकर मौके से भाग निकले। भागने की जल्दबाजी में आरोपी अपने साथ लाए पाना, प्लास, रस्सी और अन्य लोहे के औजार वहीं छोड़ गए। सूचना मिलने पर डबोक थाना पुलिस मौके पर पहुंची, सामान जब्त कर घटनास्थल का निरीक्षण किया और मामले की जांच शुरू कर दी। घटना के कारण पूरी रात गांव में बिजली आपूर्ति बाधित रही, जिससे लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ा। गुरुवार सुबह बिजली विभाग की टीम ने मौके पर पहुंचकर ट्रांसफार्मर की मरम्मत की और बिजली आपूर्ति बहाल की। पुलिस का कहना है कि घटनास्थल से मिले साक्ष्यों और सामने आए वीडियो के आधार पर आरोपियों की पहचान के प्रयास किए जा रहे हैं। आसपास के इलाकों के सीसीटीवी फुटेज भी खंगाले जा रहे हैं ताकि डीपी से तेल चोरी करने वाले गिरोह तक पहुंचा जा सके।

कैफे पर अवैध शराब बेचते युवक गिरफ्तार

24 न्यूज अपडेट

उदयपुर। घंटाघर थाना पुलिस ने गड़ियादेवरा क्षेत्र में कार्रवाई करते हुए एक कैफे से अवैध रूप से शराब रखने और बेचने के आरोप में एक युवक को गिरफ्तार किया है। आरोपी के पास शराब रखने या बिक्री का कोई वैध लाइसेंस या दस्तावेज नहीं मिला। पुलिस के अनुसार कार्रवाई के दौरान लखन नेगी (21) निवासी नरेंद्र नगर, जिला टिहरी गढ़वाल (उत्तराखंड), जो वर्तमान में गड़ियादेवरा स्थित एक कैफे में मैनेजर के रूप में कार्यरत है, को अवैध रूप से शराब अपने कब्जे में रखकर बेचते हुए पकड़ा गया।

घंटाघर थाना पुलिस ने आरोपी के खिलाफ राजस्थान आबकारी अधिनियम, 1950 की धारा 54/ 20 के तहत मामला दर्ज किया है। प्रकरण की जांच सहायक उपनिरीक्षक (एएसआई) कैलाश चंद्र कर रहे हैं। प्रारंभिक कार्रवाई सहायक उपनिरीक्षक भगवानलाल द्वारा की गई।

पुलिस यह भी जांच कर रही है कि कैफे में अवैध शराब की बिक्री कब से की जा रही थी और इसमें अन्य लोगों की भी संलिप्तता है या नहीं।

फर्जी हस्ताक्षर कर कोर्ट में मुकदमा दायर करने का आरोप, पिता-पुत्र के खिलाफ धोखाधड़ी का केस दर्ज

24 न्यूज अपडेट

उदयपुर। कानोड़ थाना क्षेत्र में कूटरचित दस्तावेज तैयार कर फर्जी हस्ताक्षरों के आधार पर न्यायालय में परिवाद पेश करने का मामला सामने आया है। न्यायालय के इस्तगासे पर पुलिस ने दो आरोपियों के खिलाफ धोखाधड़ी और जालसाजी की धाराओं में प्रकरण दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस के अनुसार अंबेडकर कॉलोनी, कानोड़ निवासी शंकरलाल खोखावत (45) ने शिकायत में आरोप लगाया कि आरोपियों ने अवैध रूप से राशि हड़पने की नीयत से कूटरचित दस्तावेज तैयार किए और उन पर उनके फर्जी हस्ताक्षर कर ऋण निवारण न्यायालय, कानोड़ में झूठा मुकदमा दायर कर दिया। मामले में ऋषभ कुमार कोठारी और उनके पिता करण सिंह कोठारी, दोनों निवासी कानोड़, को नामजद आरोपी बनाया गया है। न्यायालय के आदेश पर कानोड़ थाना पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ धारा 420, 465 और 467 आईपीसी के तहत मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस दस्तावेजों की सत्यता, हस्ताक्षरों की जांच और अन्य साक्ष्य जुटाकर पूरे प्रकरण की पड़ताल कर रही है।

10 हजार की नौकरी, लेकिन PAN पर निकला 11.95 करोड़ का कारोबार! बिजनेस शुरू करने पहुंचा तो खुला फर्जीवाड़े का राज

24 न्यूज अपडेट

अलवर। महज 10 हजार रुपए महीने की नौकरी करने वाले एक युवक के साथ करोड़ों रुपये की पहचान चोरी (Identity Theft) का चौंकाने वाला मामला सामने आया है। युवक जब अपना छोटा कारोबार शुरू करने के लिए चार्टर्ड अकाउंटेंट (सीए) के पास पहुंचा तो पता चला कि उसके पैन कार्ड पर पहले से जीएसटी पंजीकरण है और उसके नाम से दिल्ली में एक फर्म करीब 11.95 करोड़ रुपये का कारोबार कर चुकी है। कोर्ट के आदेश पर अब पुलिस ने धोखाधड़ी का मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पीड़ित अंकित यादव ने बताया कि वह अलवर के मालवीय नगर स्थित एक कृषि कंपनी में सुपरवाइजर के पद पर कार्यरत है और उसकी मासिक आय करीब 10 हजार रुपये है। अप्रैल में नया व्यवसाय शुरू करने की योजना के तहत वह सीए के पास गया था। ऑनलाइन दस्तावेजों की जांच के दौरान सामने आया कि उसके पैन कार्ड पर पहले से जीएसटी नंबर जारी है। इसके बाद जीएसटी और आयकर विभाग के रिकॉर्ड खंगालने पर पता चला कि दिल्ली स्थित 'आकांक्षा सिंथेटिक्स' नामक फर्म उसके पैन कार्ड का उपयोग कर कारोबार कर रही है। रिकॉर्ड के अनुसार वित्त वर्ष 2023-24 में 2.62 करोड़ रुपये और 2024-25 में 9.33 करोड़ रुपये का कारोबार उसके नाम पर दर्शाया गया। इस तरह दो वर्षों में उसके पैन कार्ड के जरिए 11 करोड़ 95 लाख 71 हजार 594 रुपये का कारोबार किया गया। शिकायत में यह भी सामने आया कि जीएसटी पंजीकरण में दर्ज मोबाइल नंबर पीड़ित के नहीं हैं। कारोबार के लिए कोटक महिंद्रा बैंक, प्रीतमपुरा (दिल्ली) की शाखा का बैंक खाता इस्तेमाल किया गया, जबकि अंकित का कहना है कि उसका केवल पंजाब नेशनल बैंक, दिल्ली रोड (अलवर) में एक बचत खाता है। उसने कभी जीएसटी पंजीकरण नहीं कराया और न ही उसके नाम से कोई व्यापार संचालित होता है।

मामले का खुलासा होने के बाद अंकित ने 5 जुलाई को एसीजेएम-3 न्यायालय में परिवाद दायर किया। न्यायालय के निर्देश पर 29 जुलाई को अरावली विहार थाना पुलिस ने धोखाधड़ी का मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक दीपक कुमार ने बताया कि पैन कार्ड का दुरुपयोग कर जीएसटी पंजीकरण और करोड़ों रुपये का कारोबार किए जाने की शिकायत मिली है। पुलिस यह पता लगाने में जुटी है कि फर्जी जीएसटी किसने बनवाया, किन लोगों ने इसमें भूमिका निभाई और पूरे नेटवर्क में कौन-कौन शामिल है।

साइबर ठगी के लिए बैंक खाता उपलब्ध कराने का आरोप, खाताधारक के खिलाफ केस दर्ज

24 न्यूज अपडेट

उदयपुर। गोवर्धनविलास थाना पुलिस ने साइबर ठगी में इस्तेमाल किए गए बैंक खाते के मामले में एक व्यक्ति के खिलाफ प्रकरण दर्ज किया है। आरोप है कि उसके बैंक खाते का उपयोग ऑनलाइन ठगी से प्राप्त रकम जमा करने और लोगों से अवैध रूप से पैसे ऐंठने के लिए किया गया। पुलिस के अनुसार अंकित सिंह चौहान की रिपोर्ट पर मामला दर्ज किया गया। जांच में सामने आया कि बैंक खाता संख्या 309027773903, जो महेश्वर डोडिया के नाम पर है, का उपयोग साइबर अपराध से जुड़ी लेनदेन में किया गया। आरोपी गोवर्धनविलास थाना क्षेत्र के शिकारबाड़ी रोड स्थित सेक्टर-14 का निवासी बताया गया है। शिकायत के आधार पर गोवर्धनविलास थाना पुलिस ने आरोपी के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 318(4) के तहत मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस अब बैंक खाते के माध्यम से हुए ट्रांजेक्शन, संबंधित दस्तावेजों और डिजिटल साक्ष्यों की जांच कर यह पता लगाने में जुटी है कि खाते का इस्तेमाल किन-किन साइबर अपराधों में किया गया और इसमें अन्य लोगों की भी संलिप्तता है या नहीं।

20 साल पुराने जमीन हड़पने के मामले में केस दर्ज, फर्जी दस्तावेज बनाकर हकत्याग कराने का आरोप

24 न्यूज अपडेट

उदयपुर। शहर के सुखेर थाना क्षेत्र में करीब दो दशक पुराने भूमि विवाद में फर्जी दस्तावेज तैयार कर जमीन हड़पने का मामला दर्ज हुआ है। न्यायालय के आदेश पर पुलिस ने धोखाधड़ी, आपराधिक विश्वासघात, जालसाजी और आपराधिक साजिश सहित विभिन्न धाराओं में प्रकरण दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस के अनुसार भुवाणा निवासी 58 वर्षीय नवलीबाई डांगी ने परिवाद पेश कर आरोप लगाया कि उनके पिता स्वर्गीय अंबालाल डांगी की मृत्यु के करीब डेढ़ माह बाद, 27 जनवरी 2007 को फर्जी दस्तावेज तैयार कर धोखे से हकत्याग दर्शाया गया और इसी आधार पर जमीन पर कब्जा कर लिया गया। शिकायत में आरोप है कि पूरी प्रक्रिया सुनियोजित तरीके से फर्जी दस्तावेजों के माध्यम से की गई, जिससे परिवार के अधिकार वाली भूमि हड़प ली गई। न्यायालय के इस्तगासा के आधार पर सुखेर थाना पुलिस ने धारा 420, 406, 467, 468 और 120-बी सहित अन्य प्रासंगिक धाराओं में मामला दर्ज किया है। प्रकरण में रोड़ी बाई सहित अन्य आरोपियों को नामजद किया गया है।

बैटरी बॉक्स के गुप्त केबिन में छिपाई 71 कार्टन शराब जब्त, गुजरात जा रही 7 लाख की खेप पकड़ी

24 न्यूज अपडेट

डूंगरपुर। जिले में अवैध शराब तस्करी के खिलाफ चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत बिछीवाड़ा थाना पुलिस और रतनपुर चौकी टीम ने राजस्थान-गुजरात सीमा पर बड़ी कार्रवाई करते हुए एक कंटेनर ट्रक से 71 कार्टन चंडीगढ़ निर्मित अंग्रेजी शराब जब्त की है। करीब 7 लाख रुपए कीमत की शराब कंटेनर के बैटरी बॉक्स के ऊपर बनाए गए गुप्त केबिन में छिपाकर गुजरात ले जाई जा रही थी। पुलिस ने कंटेनर ट्रक जब्त कर बाड़मेर निवासी चालक नवाब खान को गिरफ्तार कर लिया। बिछीवाड़ा थाने के एसआई अब्दुल मुनाफ ने बताया कि रतनपुर बॉर्डर पर नाकाबंदी के दौरान मुखबिर से सूचना मिली थी कि उदयपुर की ओर से आ रहे एक बंद बॉडी कंटेनर में अवैध शराब छिपाकर गुजरात ले जाई जा रही है। सूचना के आधार पर पुलिस ने कंटेनर को रुकवाया। चालक ने कंटेनर खाली होना बताया और जांच में अंदर से वह खाली भी मिला, लेकिन बैटरी बॉक्स की गहन तलाशी लेने पर उसके ऊपर बने गुप्त केबिन से 71 कार्टन अंग्रेजी शराब बरामद हुई। पुलिस ने शराब और कंटेनर ट्रक जब्त कर आरोपी चालक के खिलाफ आबकारी अधिनियम के तहत मामला दर्ज कर लिया है।

28 हजार की रिश्वत लेते पशु चिकित्सक गिरफ्तार, कैमरे के सामने बोला- चेहरा ढकने की जरूरत नहीं

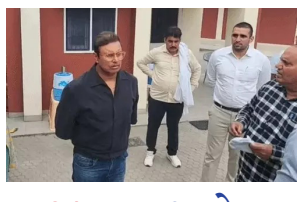

24 न्यूज अपडेट

कैथल। हरियाणा के कैथल में भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (एसीबी) ने एक सरकारी पशु चिकित्सक को 28 हजार रुपए की रिश्वत लेते रंगेहाथ गिरफ्तार किया। आरोपी डॉक्टर पर डेयरी लोन की फाइल पर हस्ताक्षर करने के बदले पहले 30 हजार रुपए की मांग करने का आरोप है। कार्रवाई के दौरान डॉक्टर का बेखौफ अंदाज भी चर्चा का विषय बन गया। मीडिया के कैमरे सामने आने पर उसने हाथ पीछे बांधकर फोटो खिंचवाई और एसीबी अधिकारियों द्वारा चेहरा ढकने के लिए रुमाल देने पर भी यह कहते हुए मना कर दिया कि इसकी जरूरत नहीं है। एसीबी के अनुसार, पट्टी अफगान में तैनात पशु चिकित्सक डॉ. अंकुर ने गांव सोंगरी के एक किसान से डेयरी लोन पास कराने के लिए 30 हजार रुपए की रिश्वत मांगी थी। बातचीत के बाद सौदा 28 हजार रुपए में तय हुआ। किसान ने इसकी शिकायत एसीबी से की, जिसके बाद ट्रैप की योजना बनाई गई। गुरुवार को किसान ने विश्वकर्मा चौक के पास डॉक्टर को तय राशि सौंपी। उसी समय एसीबी टीम ने उसे रंगेहाथ पकड़ लिया।

तेल बाजार में कारोबारी से मारपीट, तीन लोगों के खिलाफ केस दर्ज

24 न्यूज अपडेट

उदयपुर। धानमंडी थाना क्षेत्र के तेल बाजार में एक कारोबारी के साथ कथित मारपीट का मामला सामने आया है। पीड़ित की शिकायत पर पुलिस ने तीन नामजद आरोपियों के खिलाफ विभिन्न धाराओं में प्रकरण दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस के अनुसार तेल बाजार निवासी जयंत कुमार जैन पुत्र ललित कुमार जैन ने रिपोर्ट दर्ज कराई कि आरोपियों ने उनके साथ मारपीट कर चोट पहुंचाई। शिकायत के आधार पर पुलिस ने भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की संबंधित धाराओं में मामला दर्ज किया है। मामले में शिवम साहू, उसके पिता भेरूलाल साहू तथा अनिता साहू को नामजद आरोपी बनाया गया है। तीनों धानमंडी क्षेत्र के जैन बोर्डिंग इलाके के निवासी बताए गए हैं। धानमंडी थाना पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस घटना के कारणों और दोनों पक्षों के बीच हुए विवाद की परिस्थितियों की जांच कर रही है।

10 महीने से भवन असुरक्षित, बरामदे में पढ़ने की मजबूरी, 100 से ज्यादा बच्चे, ग्रामीण बोले- कभी भी हो सकता है बड़ा हादसा

24 न्यूज अपडेट

सलूम्बर। ईसरवास ग्राम पंचायत के जोधसागर की भागल स्थित राजकीय उच्च प्राथमिक विद्यालय में 100 से अधिक विद्यार्थियों की पढ़ाई और सुरक्षा दोनों दांव पर लगी हुई हैं। पहली से आठवीं कक्षा तक संचालित विद्यालय के दो कमरे करीब 10 महीने पहले ही तकनीकी रूप से असुरक्षित घोषित किए जा चुके हैं, लेकिन अब तक न तो उनकी मरम्मत हुई और न ही नए कक्षा-कक्षों का निर्माण कराया गया। मजबूरी में स्कूल प्रशासन बरामदे और खुले स्थान पर कक्षाएं संचालित कर रहा है, जिससे बारिश और तेज धूप के दौरान बच्चों की पढ़ाई बुरी तरह प्रभावित हो रही है। ग्रामीणों का कहना है कि जर्जर भवन की मरम्मत और नए कमरों के निर्माण की मांग को लेकर कई बार संबंधित अधिकारियों को ज्ञापन दिए गए, लेकिन अब तक कोई कार्रवाई नहीं हुई। ग्रामीण रामलाल मीणा ने चेतावनी दी कि यदि समय रहते समाधान नहीं हुआ तो कभी भी बड़ा हादसा हो सकता है। विद्यालय के प्रधानाचार्य रूपेश कुमार लड़ोती ने बताया कि बच्चों की सुरक्षा को देखते हुए दोनों जर्जर कमरों में पढ़ाई पूरी तरह बंद कर दी गई है और वैकल्पिक व्यवस्था के तहत बरामदे में कक्षाएं लगाई जा रही हैं। वहीं पीईओ कमलेश ने बताया कि अक्टूबर 2025 में ही भवन के दोनों कमरों को तकनीकी रूप से असुरक्षित घोषित कर विभाग और विद्यालय प्रबंधन को प्रस्ताव भेज दिया गया था। विद्यालय की छात्रा राधिका मीणा (कक्षा 8), खुशी मीणा (कक्षा 7) और छात्र कमलेश मीणा (कक्षा 8) ने बताया कि खुले बरामदे में पढ़ाई करने से बारिश और गर्मी के दौरान काफी परेशानी होती है। उन्होंने पुराने जर्जर कमरों को हटाकर नए और सुरक्षित कक्षा-कक्ष बनाने की मांग की। उधर ग्रामीण शंकरलाल मीणा ने आरोप लगाया कि विद्यालय समिति ने जर्जर भवन की स्थिति की जानकारी समय रहते ग्रामीणों को नहीं दी। उनका कहना है कि यदि पहले सूचना मिलती तो गांव के लोग भी प्रशासन पर दबाव बनाकर जल्द समाधान की मांग करते। ग्रामीणों ने जिला प्रशासन और शिक्षा विभाग से बच्चों की सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए तत्काल नए कक्षा-कक्षों का निर्माण या जर्जर भवन की मरम्मत कराने की मांग की है।

राजस्थान में अवैध शराब पर आबकारी विभाग का बड़ा प्रहार, कई जिलों में दबिश; हजारों लीटर वॉश नष्ट, शराब जब्त

24 न्यूज अपडेट

उदयपुर, 30 जुलाई। प्रदेश में अवैध शराब के निर्माण, भंडारण, बिक्री और तस्करी के खिलाफ आबकारी विभाग ने व्यापक अभियान चलाते हुए कई जिलों में एक साथ कार्रवाई की। आबकारी आयुक्त नमित मेहता के निर्देश पर जीरो टॉलरेंस नीति के तहत चलाए जा रहे अभियान में आबकारी निरोधक दलों ने हजारों लीटर वॉश नष्ट कर बड़ी मात्रा में अवैध शराब जब्त की तथा कई आरोपियों को गिरफ्तार किया। चित्तौड़गढ़ जिले के डूंगला और बेगूं क्षेत्र में दबिश देकर 700 लीटर वॉश नष्ट किया गया, जबकि 77 बोतल अवैध हथकड़ शराब बरामद कर प्रकरण दर्ज किए गए। जोधपुर शहर के सरदारपुरा और लूणी थाना क्षेत्र में संयुक्त कार्रवाई के दौरान 288 पव्वे देशी शराब, 36 बोतल किंगफिशर बीयर, 23 पव्वे आरएमएल तथा 2 लीटर हथकड़ शराब जब्त की गई। भीलवाड़ा जिले में कोठारी नदी के दुर्गम इलाके में छापेमारी कर 1800 लीटर वॉश नष्ट किया गया और 40 लीटर हथकड़ शराब बरामद की गई। अवैध शराब निर्माण में संलिप्त दो महिलाओं को मौके से गिरफ्तार किया गया। वहीं, कुवाड़ा खान क्षेत्र में अलग कार्रवाई करते हुए 3 हजार लीटर वॉश और चार पुरानी भट्टियां नष्ट की गईं। हनुमानगढ़ जिले के भादरा क्षेत्र में बिना नंबर प्लेट की एक पिकअप से 240 पव्वे देशी शराब (पांच कार्टन) का अवैध परिवहन करते हुए दो आरोपियों को गिरफ्तार कर उनके खिलाफ मामला दर्ज किया गया।

दान से बड़ा है दिल का समर्पण, अहंकार से नहीं बनती दक्षिणा: आचार्य मुक्तिसागर सूरीश्वर

24 न्यूज अपडेट

उदयपुर। दान की वास्तविक सार्थकता धन या वस्तुओं के मूल्य में नहीं, बल्कि उसे देने वाले के भाव में होती है। यदि दान के साथ अहंकार जुड़ जाए तो उसका आध्यात्मिक महत्व समाप्त हो जाता है, जबकि विनम्रता, सम्मान और कृतज्ञता से किया गया समर्पण ही वास्तविक दक्षिणा कहलाता है। यह विचार मालव मार्तण्ड आचार्य डॉ. मुक्तिसागरसूरीश्वर महाराज ने आयड़ जैन तीर्थ स्थित छाणद तीर्थ उपाश्रय में चातुर्मासिक प्रवचन के दौरान व्यक्त किए। उन्होंने कहा कि समाज ने दान देना तो सीख लिया है, लेकिन दक्षिणा के मर्म को अभी पूरी तरह नहीं समझा। दान केवल धन, अन्न, वस्त्र या अन्य वस्तुओं का हो सकता है, जबकि दक्षिणा दिल की उदारता और श्रद्धा का प्रतीक होती है। जिस व्यक्ति के माध्यम से हमारी लक्ष्मी पुण्य में परिवर्तित होती है, उसके प्रति अहसान नहीं बल्कि आभार का भाव होना चाहिए। यही भावना साधारण दान को आध्यात्मिक दक्षिणा का स्वरूप प्रदान करती है। आचार्यश्री ने कहा कि पुण्य का संचय केवल दान देने से नहीं होता, बल्कि उसके पीछे की भावना से होता है। सेवा, संवेदना, समर्पण और अहंकाररहित मन से किया गया दान ही आत्मकल्याण का माध्यम बनता है। इसलिए प्रत्येक व्यक्ति को दान के साथ सम्मान और विनम्रता का भाव भी जोड़ना चाहिए। महासभा के महामंत्री कुलदीप नाहर ने बताया कि चातुर्मास के दौरान आगामी चार माह तक आयड़ जैन तीर्थ में धर्म, साधना और संस्कारों से जुड़े विविध आयोजन निरंतर होंगे। 1 अगस्त को प्रातः प्रश्नोत्तरी प्रवचन तथा दोपहर में तरुण संस्कार शिविर आयोजित किया जाएगा। 2 अगस्त से "भक्तियोग भगाए सब रोग" विषय पर संगीतमय प्रवचन श्रृंखला प्रारंभ होगी, जबकि 6 अगस्त से आचार्यश्री की निश्रा में सम्मेत शिखरजी तप का शुभारंभ होगा, जो संवत्सरी महापर्व तक चलेगा। प्रवचन में अशोक जैन, राजेंद्र जवेरिया, प्रकाश नागोरी, हेमंत सिंघवी, राजेश जवेरिया, दिनेश बापना, अभय नलवाया, कैलाश मुर्डिया, चतर सिंह पामेच, सतीश कच्छारा, दिनेश भंडारी, चिमनलाल गांधी, प्रद्योत महात्मा, रमेश सिरोया और कुलदीप मेहता सहित बड़ी संख्या में श्रावक-श्राविकाएं उपस्थित रहीं।

500 औषधीय पौधे बांटे, शहर को हरा-भरा बनाने का लिया संकल्प

24 न्यूज अपडेट

उदयपुर। लायंस क्लब लेकसिटी उदयपुर की वार्षिक साधारण सभा गुरुवार को देवाली स्थित क्लब कार्यालय में आयोजित हुई। अध्यक्ष दीपक वाही ने वर्षा ऋतु के दौरान शहरभर में व्यापक पौधारोपण अभियान चलाने का आह्वान करते हुए कहा कि उदयपुर को हरा-भरा बनाने के लिए क्लब हरसंभव प्रयास करेगा। इस दौरान क्लब सदस्यों को 500 औषधीय पौधे वितरित किए गए। क्लब के सचिव मनीष शर्मा ने बताया कि पौधारोपण अभियान क्लब परिसर से शुरू होकर सरकारी विद्यालयों, सरकारी कार्यालयों और सार्वजनिक स्थलों तक चलाया जाएगा। आवश्यकता पड़ने पर और अधिक पौधों की व्यवस्था भी की जाएगी ताकि प्रत्येक सदस्य पर्यावरण संरक्षण में अपनी जिम्मेदारी निभा सके। क्लब के प्रवक्ता एवं खेल अधिकारी गिरधारी सिंह चौहान ने बताया कि लायंस क्लब लेकसिटी हर वर्ष वर्षा ऋतु में औषधीय पौधों के रोपण का अभियान चलाता है। बैठक में प्रांतीय कैबिनेट एवं माइक्रो कैबिनेट में चयनित पदाधिकारियों और सदस्यों का सम्मान भी किया गया। कार्यक्रम में राजमल ओसवाल, के.जी. मूंदड़ा, किरण आंचलिया, सिद्धार्थ चतुर, के.एल. पुनमिया और राजीव मेहता सहित कई पदाधिकारी उपस्थित रहे।

वैदिक मंत्रोच्चार के साथ पौधारोपण, पर्यावरण संरक्षण का लिया संकल्प

24 न्यूज अपडेट

उदयपुर। विज्ञान भारती की उदयपुर इकाई अरावली विज्ञान समिति (चित्तौड़ प्रांत) ने राष्ट्रीय पर्यावरण एवं पारिस्थितिकी विकास (NEED) मिशन और विकसित भारत—2047 के नेट ज़ीरो मिशन के तहत राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय, टीलाखेड़ा में पौधारोपण एवं पर्यावरण संरक्षण कार्यक्रम आयोजित किया। संस्था प्रधान संतोष व्यास के स्वागत के बाद वैदिक मंत्रोच्चार के बीच आम, आंवला, अमरूद, चंपा, शहतूत, कीकर, अमलताश, जामुन, अनार और नीम सहित विभिन्न पौधे लगाए गए तथा उनके संरक्षण का सामूहिक संकल्प लिया गया। संतोष व्यास ने वैदिक विधि से पौधों का पूजन कर उनकी देखरेख की जिम्मेदारी विद्यालय की विभिन्न कक्षाओं को सौंपी। विज्ञान भारती के वन हेल्थ मिशन के प्रांत समन्वयक डॉ. कमल सिंह ने आचार्य प्रफुल्ल चन्द्र राय के जीवन प्रसंगों के माध्यम से वैज्ञानिक सोच और स्वदेशी विज्ञान का महत्व बताया। इकाई अध्यक्ष डॉ. लोकेश कुमार अग्रवाल ने वृक्षों को जल, जलवायु और जैव विविधता का आधार बताते हुए पौधारोपण के साथ संरक्षण पर भी जोर दिया। कार्यक्रम में प्रो. डॉ. कमलसिंह राठौड़, डॉ. गिरधरपाल सिंह, डॉ. मोहन सिंह राठौड़, डॉ. हरिश मंगेश, डॉ. कुलदीप शर्मा, कुशल कुंवर, युवराज सिंह सहित विद्यालय के शिक्षक, कर्मचारी और विद्यार्थी मौजूद रहे। अंत में कमलेश शर्मा ने आभार जताया तथा सभी ने अधिकाधिक वृक्षारोपण, जैव विविधता संरक्षण, कार्बन फुटप्रिंट कम करने और पर्यावरण-अनुकूल जीवनशैली अपनाने का संकल्प लिया।

8 अगस्त को शिवमय होगा शक्तिनगर: कांवड़ यात्रा पर होगी पुष्पवर्षा, शर्बत-जल सेवा और 'सेगारी प्रसाद' से होगा स्वागत

24 न्यूज अपडेट

उदयपुर। सावन माह में शिवभक्ति के रंग में डूबे उदयपुर में 8 अगस्त को निकलने वाली विशाल कांवड़ यात्रा के स्वागत की तैयारियां तेज हो गई हैं। आयड़ से ऐतिहासिक महाकालेश्वर मंदिर तक पहुंचने वाली कांवड़ यात्रा का शक्तिनगर में भव्य स्वागत किया जाएगा। शक्तिनगर व्यापार मंडल और स्थानीय शिवभक्तों ने आयोजन को यादगार बनाने के लिए व्यापक तैयारियां शुरू कर दी हैं। शक्तिनगर स्थित लिबर्टी पेंट्स के बाहर स्वागत का मुख्य केंद्र बनाया जाएगा, जहां से गुजरने वाले हजारों कांवड़ियों पर पुष्पवर्षा की जाएगी। श्रद्धालुओं के लिए ठंडे शर्बत, शुद्ध पेयजल और विशेष 'सेगारी प्रसाद' की व्यवस्था रहेगी। पूरे क्षेत्र में शिव भजनों की मधुर प्रस्तुति से भक्तिमय वातावरण बनाया जाएगा, ताकि यात्रा में शामिल श्रद्धालुओं का उत्साह और बढ़ सके। शक्तिनगर व्यापार मंडल के महासचिव जितेंद्र कालरा ने बताया कि सावन के पावन अवसर पर शिवभक्तों की सेवा करना सौभाग्य की बात है। उन्होंने कहा कि इस बार कांवड़ यात्रा के स्वागत को विशेष और यादगार बनाने के लिए सभी व्यवस्थाएं की जा रही हैं, जिससे श्रद्धालुओं को सेवा और सम्मान का अनुभव हो। आयोजन की तैयारियों को अंतिम रूप देने के लिए शक्तिनगर में बैठक आयोजित की गई, जिसमें कांवड़ यात्रा के मार्ग, जलपान, स्वागत, भीड़ प्रबंधन और अन्य व्यवस्थाओं पर विस्तार से चर्चा की गई। बैठक में सभी सदस्यों ने आयोजन को अनुशासित, सुरक्षित और भव्य बनाने का संकल्प लिया। बैठक में गोवर्धन राठौड़, सुनील कालरा, अंबालाल, नरेंद्र मुंडिनया, यश पालीवाल, दिव्यांश सिधवानी, कैलाश मोची, ईश्वर, ओम खटीक, पुष्पेंद्र शर्मा, कमल साहू, हर्ष लिंजारा, कमलेश सेन और वैभव जैन सहित शक्तिनगर व्यापार मंडल के पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे। सभी को आयोजन की विभिन्न जिम्मेदारियां सौंपी गईं, ताकि 8 अगस्त को कांवड़ यात्रा के स्वागत में कोई कमी न रहे।

दृष्टिबाधित बालकों के छात्रावास के लिए भूमि आवंटन की मांग, कलेक्टर को सौंपा ज्ञापन

24 न्यूज अपडेट

उदयपुर। दृष्टिबाधित बालकों के लिए छात्रावास भवन निर्माण की मांग को लेकर सामाजिक प्रतिनिधियों ने गुरुवार को जिला कलेक्टर को ज्ञापन सौंपकर शीघ्र भूमि आवंटित करने की मांग की। प्रतिनिधिमंडल ने बताया कि आवासीय सुविधा के अभाव में दूर-दराज़ से आने वाले दृष्टिबाधित विद्यार्थियों को शिक्षा के दौरान कई तरह की परेशानियों का सामना करना पड़ता है। ज्ञापन में कहा गया कि छात्रावास बनने से विद्यार्थियों को सुरक्षित आवास, बेहतर शैक्षणिक वातावरण और नियमित शिक्षा का लाभ मिलेगा। इससे आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों के बच्चों को भी बड़ी राहत मिलेगी और उनकी पढ़ाई प्रभावित नहीं होगी। प्रतिनिधियों ने जिला प्रशासन से छात्रावास निर्माण के लिए उपयुक्त भूमि का शीघ्र आवंटन कर आवश्यक प्रशासनिक प्रक्रिया पूरी करने की मांग की। जिला कलेक्टर ने ज्ञापन प्राप्त कर नियमानुसार आवश्यक कार्रवाई का आश्वासन दिया।

आईटीआई प्रतापनगर में 3 अगस्त को लगेगा कैम्पस प्लेसमेंट शिविर

24 न्यूज अपडेट

उदयपुर, 30 जुलाई। संभागीय रोजगार कार्यालय की ओर से 3 अगस्त (सोमवार) को प्रातः 10:30 बजे से राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान (आईटीआई), प्रतापनगर में एक दिवसीय कैम्पस प्लेसमेंट शिविर आयोजित किया जाएगा। शिविर में पांच निजी नियोजक भाग लेंगे तथा आईटीआई, स्नातक और 12वीं सहित विभिन्न शैक्षणिक योग्यताओं वाले अभ्यर्थियों का रोजगार के लिए मौके पर ही प्रारम्भिक चयन किया जाएगा। शिविर में इक्वीटास स्मॉल फाइनेंस बैंक, उदयपुर, ओमेगा एलीवेटर्स प्रा. लि., महिन्द्रा नेक्स्ट वेल्थ आईटी इण्डिया प्रा. लि., टीयूवी स्किल्स सेन्टर्स, प्रतापनगर तथा जीनीयस स्मार्ट मीटर प्रा. लि., उदयपुर भर्ती प्रक्रिया में भाग लेंगे। शिविर प्रातः 10:30 बजे से सायं 3 बजे तक आयोजित होगा। इच्छुक अभ्यर्थी अपने समस्त शैक्षणिक प्रमाण-पत्र, आधार कार्ड एवं पासपोर्ट आकार के फोटो के साथ निर्धारित समय पर शिविर स्थल पर उपस्थित होकर रोजगार के अवसर का लाभ उठा सकते हैं।

समाचार भेजने के लिए हमारी मेल आई-डी पर संपर्क करें -
desk24newsupdate@gmail.com
wathsapp : 8852073787

24 न्यूज अपडेट- डिजिटल संस्करण स्वामित्व एवं प्रसारण ग्रुप के लिए करण सिंह देवड़ा द्वारा ई-न्यूज पेपर के फारमेट में प्रसारित प्रधान सम्पादक -सुशील जैन फोन .88520 73787, desk24newsupdate@gmail.com सर्वविवादों का न्याय क्षेत्र उदयपुर रहेगा।